13/4/2021

भड़नावा से जोधपुर 9 ~~200~~ 100+100, 200

Anand
DATE :
PAGE NO. :

कलाकार
ओडियो, विडियो, रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र.

फोल्डर नं. — 10 दिनांक 13/04/2021

ट्रैक नं. 23 ZOOM0023 स्थान - बलदेव नगर जोधपुर

ट्रैक समयावधि

कलाकार का नाम- मन्नु खां (गायन/वादन)

पिता का नाम कुरे खां

पता → जोधपुर बलदेव नगर,

सहायक कलाकार (वाद्य/यंत्र)

1 सफी खां

ओडियो रिकॉर्डिंग का समय

विषय- कथा

विशेष - विवरण -

Anand
DATE :
PAGE NO. :

बात उस समय की है जब एक आदमी की अपनी गर्भ ~~से~~ होती है। ओर ~~आ~~ उसको अपनी की डिलवरी के लिए 1000 एक हजार रुपये की जरूरत होती है, तो वह गांव के ढाकर के पास जाता है. ओर एक हजार रुपये मांगता है ढाकर का एक नियम होता है. समई टू टाइम. ओर वह पैसा देता है. ओर केहता है कि अगर. तुमने जो कवल किया है उससे उपर नीचे हुआ तो मे तेरा. एक किलो मास लूंगा वह पैसा लेकर अपने घर जाता है अपनी ~~ह~~ बीबी का इलाज करता है। जब पैसा वापस करेन का समय आता है तो वह दो दिन लेट हो जाता है।

तो वह दुसरे ढाकर के पास जाता है कि ओर उसको सारि बात सुनाता है। उस ढाकर के पास एक घोड़ी होती है तो वह ढाकर उस आदमी को घोड़ी को पानी पिलाने के लिए बोलता है। रास्ते मे वह घोड़ी को लकड़ी से मारता है तो घोड़ी खतम हो जाती है' ओर वह सोचता है। यह ढाकर मुझे पेहले मार देगा वहां से भाग जाता है ~~तो~~ कुछ लोग कुआ खोद रहे होते है। उसमे एक पिता ओर उसके तीन बेटे. जैसे है बेटे. इधर उधर होते है वह कुएं मे कूद जाता है यह सोचकर की यह लोग वैसे ही मुझे मार ~~ह~~ डालेगे

तो अन्दर उन तीन बेटो का बुड्डा बाप होता है जो उस आदमी के उपर कुदने से मर जाता है। ओर वह उनका भी गुन्हागार हो जाता है। शाहर के सबसे बाड़े पंच के पास न्याय कराने के लिए. तो देखते है. उसका देहान्त हो जाता है। ओर उसका सबसे ~~बड़ा~~ छोटा लड़का उसका उतराधिकारी बनता है। गांव के पुरे लोगो से वह केहता है कि मेरा निर्णय सार्वमान्य होगा. गांववाले मिलकर ~~उसे~~ अपना नया ढाकर मानते है। ~~इतने~~ इतने मैं वह लोग भी न्याय के लिए आ जाते है।

ओर एक एक करके अपनी बात सुनाते है। वह सारीबाते सुनकर अपना न्याय सुनाते है। जो मैं कहूंगा वो सबको स्वीकार होगा- अन्दर से छुरी मगवाते है, और उस ठाकर के हाथ मे देते है उनसे केहते है। ये लो छुरी ओर अपना पैसा वसूल करो. अगर एक ही बार घाव में एक किलो अ मास आ गया तो ठीक है, अगर कम ज्यादा हो गया तो तुम्हे दण्डित किया जायेगा. औरवह सोचने लगा यदि कम ज्यादा हो गया तो दण्डित कियाजायेगा उसने कहा मेरे पैसे आ गये.

दुसरे से कहा यह मेरी चार घोडिया है तुम इसके दो-दो बार लकड़ी से वार करो. अगर नही मरी तो आठ घोडिया देनी पड़ेगी. उसने कहा मेरा न्याय भी होगया अब तीसरे की बारी थी, उसने, मेरा भी न्याय करना है हा करना है ठाकुर साहब ने उस आदमी को कुएं मे डाला और उन तीनों भाइयो से कहा, ये तो अकेला कुए मे गिरा था, जिससे तुम्हारे पिताजी की मृत्यु हो गई थी. तुम तीनों इसके ऊपर गिर जाओ अगर यह नही मरा तो मे तुम्हारे नाक ओर होठ. कटवा दूंगा.

यह सुनकर वह भी. डर गये. ओर केहने लगे- हमारा भी न्याय हो गया. इस तरह उन तीनों का न्याय हो जाता है।

यह भी न्याय पर आधारित कथा)